Jai Shree Ram Song Lyrics In English Hindi song new



Raghupati Raaghav Raja Raam
Patit Paavan Sita Ram
Sita Raam Sita Raam
Bhaj Pyaare Tu Sita Ram

Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram Jai
Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram

Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram Jai
Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram
Aayodhya Ayodhyaa Aaye Mere Pyare Ram
Bolo Jai Jai Shree Ram

Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram Jai
Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram

Aayodhya Ayodhyaa Aaye Mere Pyare Ram
Bolo Jai Jai Shree Ram

Ho Mhari Aankhon Ke
Taare Hain Prabhu Ram
Bolo Jai Jai Shree Ram

Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram Jai
Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram

Yug Ram Raaj Ka Aa Gaya
Shubh Din Ye Aaj Ka Aa Gaya
Hui Jeet Sanaatan Dharm Ki
Ghar Ghar Bhagwaa Lahraa Gaya

Jaaga Hai Avadh Ka Bhaagy Ji
Goonjaa Hai Vijay Ka Raag Ji
Yogi Santo Ki Ankhiyon Se
Chhalkaa Hai Prem Anuraag Ji

Saj Dhaj Ke Saj Dhaj Ke
O Saj Dhaj Ke
Laage Sabse Nyaare Raam
Bolo Jai Jai Shree Ram

Ho Mhari Aankhon Ke
Taare Hain Prabhu Ram
Bolo Jai Jai Shree Ram

Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram Jai
Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram

Raghunandan Ka Raaj Tilak Hai
Raaj Sighaasan Ram Ka Haq Hai
Ram Ka Hoga Raj Jagat Me
Prashn Na Koi Na Koi Shak Hai

Ram Ke Path Me Sabki Palak Hai
Jeet Ye Sabke Liye Hi Sabak Hai

Jai Shree Ram Ke Naam Ka Naara
Deta Sunaai Ambar Tak Hai

Kisi Bhi
Kisi Bhi Yug Me Na
Haare Mere Pyare Raam
Bolo Jai Jai Shree Ram

Ho Mhari Aankhon Ke
Taare Hain Prabhu Ram
Bolo Jai Jai Shree Ram

Saryu Ke Dhaare Naach Rahe
Dono Kinaare Naach Rahe

Daso Dishaayein Jhoom Rahi
Yahaan Chaand Sitaare Naach Rahe

Naach Rahe Man Bhakton Ke
Yahaan Saadhoo Saare Naach Rahe

Ram Ki Dhun Me Hoke Magan Sab
Ram Dulaare Naach Rahe
Naach Rahe Parwat Pe Shankar
Devi Devtaa Naach Rahe

Aayodhya Ayodhyaa Aaye Mere Pyare Ram
Bolo Jai Jai Shree Ram
Ram Siya Ram Siya Ram Siya Ram

Ho Mhaari Aankhon Ke
Taare Hain Prabhu Ram
Bolo Jai Jai Shree Ram

Baaje Manjeere Aur Mridang
Hawaa Me Ude Keshariya Rang
Laut Aaye Hain
Raghuvar Shri Siya Lakhan
Hanumat Ke Sang

रघुपति राघव राजा राम
पतित पावन सीता राम
सीता राम सीता राम
भज प्यारे तू सीता राम

राम सीया राम सीया राम सीया राम जय
राम सीया राम सीया राम सीया राम
राम सीया राम सीया राम सीया राम जय
राम सीया राम सीया राम सीया राम
अयोध्या अयोध्या आए मेरे प्यारे राम
बोलो जय जय श्री राम

राम सीया राम सीया राम सीया राम जय
राम सीया राम सीया राम सीया राम

अयोध्या अयोध्या आए मेरे प्यारे राम
बोलो जय जय श्री राम

हो म्हारी आँखों के तारे हैं प्रभु राम
बोलो जय जय श्री राम

राम सीया राम सीया राम सीया राम जय
राम सीया राम सीया राम सीया राम

युग राम राज का आ गया

शुभ दिन ये आज का आ गया
हुई जीत सनातन धर्म की
घर घर भगवा लहरा गया

जागा है अवध का भाग्य जी
गूँजा है विजय का राग जी
योगी संतों की अंखियों से
छलका है प्रेम अनुराग जी

सज धज के सज धज के
ओ सज धज के लागे सबसे न्यारे राम
बोलो जय जय श्री राम

हो म्हारी आँखों के तारे हैं प्रभु राम
बोलो जय जय श्री राम

राम सीया राम सीया राम सीया राम जय
राम सीया राम सीया राम सीया राम

रघुनंदन का राज तिलक है
राज सिंहासन राम का हक है
राम का होगा राज जगत में
प्रश्न ना कोई ना कोई शक है
राम के पथ में सबकी पलक है
जीत ये सबके लिए ही सबक है

जय श्री राम के नाम का नारा
देता सुनाई अंबर तक है

किसी भी
किसी भी युग में ना हारे मेरे प्यारे राम
बोलो जय जय श्री राम

हो म्हारी आँखों के तारे हैं प्रभु राम
बोलो जय जय श्री राम

सरयू के धारे नाच रहे
दोनों किनारे नाच रहे
दसों दिशाएं झूम रहीं
यहाँ चाँद सितारे नाच रहे
नाच रहे मन भक्तों के
यहाँ साधू सारे नाच रहे

राम की धुन में होके मगन सब
राम दुलारे नाच रहे
नाच रहे पर्वत पे शंकर
देवी देवता नाच रहे

अयोध्या अयोध्या आए मेरे प्यारे राम

बोलो जय जय श्री राम
राम सीया राम सीया राम सीया राम

हो म्हारी आँखों के तारे हैं प्रभु राम
बोलो जय जय श्री राम

बाजे मंजीरे और मृदंग
हवा में उड़े केशरिया रंग
लौट आए हैं रघुवर श्री सिया लक्षण
हनुमत के संग

Lyrics Meaning In Hindi And English

रघुपति राघव राजा राम – विस्तृत भावार्थ

Hindi Meaning & English Meaning

हिंदी में विस्तृत भावार्थ

यह भक्ति गीत भगवान श्रीराम के प्रति प्रेम, श्रद्धा, आस्था और भक्ति की अभिव्यक्ति है। गीत में श्रीराम को केवल अयोध्या के राजा के रूप में नहीं, बल्कि धर्म, सत्य, करुणा, मर्यादा और पवित्रता के प्रतीक के रूप में देखा गया है। पूरे गीत का वातावरण ऐसा है मानो भगवान राम के अयोध्या लौटने का दिव्य उत्सव मनाया जा रहा हो।

1. “रघुपति राघव राजा राम” का भाव

गीत की शुरुआत श्रीराम के प्रसिद्ध नाम-स्मरण से होती है। “रघुपति”, “राघव” और “राजा राम” उनके अलग-अलग सम्मानपूर्ण नाम हैं। वे रघुवंश के महान पुरुष हैं और अयोध्या के आदर्श राजा के रूप में पूजनीय हैं।

“पतित पावन” का अर्थ है—जो पतित या दुखी व्यक्ति को भी पवित्र और उद्धार करने वाला हो। यहाँ श्रीराम की करुणा और शरणागत के प्रति उनकी दया का वर्णन है।

“सीता राम” का बार-बार स्मरण यह बताता है कि भगवान राम और माता सीता को भक्त एक साथ याद करता है। यह केवल नाम-जप नहीं, बल्कि आदर्श दांपत्य, प्रेम, त्याग और धर्म की याद भी है।

भक्त से कहा जाता है कि वह संसार की चिंताओं से ऊपर उठकर प्रेमपूर्वक सीता-राम का नाम भजे। नाम-स्मरण को मन की शांति और आध्यात्मिक शक्ति का माध्यम माना गया है।

2. “राम सिया राम” की पुनरावृत्ति

गीत में “राम सिया राम” का बार-बार दोहराया जाना भक्ति-संगीत की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। लगातार नाम लेने से भक्त का मन एकाग्र होता है और वातावरण भक्तिमय बन जाता है।

यहाँ राम और सीता का संयुक्त नाम प्रेम, शक्ति, मर्यादा और धर्म के संतुलन का प्रतीक है। श्रीराम के साथ सीता का स्मरण यह दर्शाता है कि राम की कथा केवल एक राजा की कथा नहीं, बल्कि परिवार, कर्तव्य, त्याग और आदर्श जीवन की कथा भी है।

नाम-जप का यह स्वर गीत को व्यक्तिगत प्रार्थना से सामूहिक उत्सव में बदल देता है।

3. अयोध्या में राम के आगमन का उत्सव

गीत में अयोध्या को विशेष स्थान दिया गया है। राम के अयोध्या आने की कल्पना एक ऐसे शुभ अवसर के रूप में की गई है जिसका इंतजार लंबे समय से था।

“मेरे प्यारे राम” जैसे भाव भक्त और भगवान के बीच आत्मीय संबंध को दिखाते हैं। भक्त के लिए राम केवल दूर स्थित देवता नहीं हैं; वे परिवार के प्रिय सदस्य की तरह हैं।

“जय जय श्रीराम” का उद्घोष सामूहिक श्रद्धा और आनंद को व्यक्त करता है। पूरा वातावरण विजय, उत्साह और आध्यात्मिक उल्लास से भर जाता है।

4. रामराज्य और धर्म की भावना

गीत का एक महत्वपूर्ण भाग रामराज्य की कल्पना से जुड़ा है। रामराज्य भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में ऐसे आदर्श शासन का प्रतीक माना जाता है जिसमें न्याय, सत्य, कर्तव्य, करुणा और लोककल्याण को महत्व दिया जाता है।

यहाँ राम का राज्य केवल राजनीतिक सत्ता के अर्थ में नहीं समझना चाहिए। आध्यात्मिक अर्थ में यह मनुष्य के भीतर धर्म और सद्गुणों के स्थापित होने का भी प्रतीक हो सकता है।

गीत शुभ दिन आने की बात करता है। इसका भाव यह है कि अंधकार के बाद प्रकाश आता है और कठिनाइयों के बाद आशा का समय आता है।

5. सनातन धर्म और विजय का उल्लेख

गीत में सनातन धर्म की विजय का उत्सवपूर्ण उल्लेख है। धार्मिक संदर्भ में यह धर्म, सत्य और सदाचार की स्थापना के भाव से जुड़ा है।

यहाँ “विजय” को केवल किसी व्यक्ति या समूह की जीत के रूप में नहीं, बल्कि अच्छे मूल्यों के स्थापित होने के रूपक के रूप में भी देखा जा सकता है।

भगवान राम की पूरी कथा में धर्म और कर्तव्य का महत्व प्रमुख है। इसलिए राम का नाम सत्य, मर्यादा और नैतिक जीवन से जुड़ जाता है।

6. अवध के भाग्य और संतों के प्रेम का चित्रण

गीत में अवध यानी अयोध्या के जागृत भाग्य की कल्पना की गई है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे पूरी नगरी राम के स्वागत के लिए जाग उठी हो।

योगियों और संतों की आँखों में प्रेम और भावुकता का चित्रण यह बताता है कि भगवान का आगमन भक्तों के लिए केवल बाहरी उत्सव नहीं है। यह उनके भीतर उत्पन्न आध्यात्मिक आनंद का भी प्रतीक है।

भक्ति में आँखों से आँसू आना अक्सर प्रेम, कृतज्ञता और आध्यात्मिक भाव-विभोरता का संकेत माना जाता है।

7. राम के राजतिलक का भाव

गीत में राम के राजतिलक और सिंहासन की कल्पना की गई है। राम का राज्य उनके आदर्श चरित्र से जुड़ा है।

उनका जीवन कठिन परिस्थितियों के बावजूद कर्तव्य निभाने का उदाहरण माना जाता है। इसलिए उनका सिंहासन पर बैठना केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि धर्म और मर्यादा की प्रतिष्ठा का प्रतीक है।

गीत में राम के मार्ग पर चलने की बात आती है। इसका गहरा संदेश यह है कि राम की वास्तविक पूजा केवल उनका नाम लेने में नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारने में भी है।

सत्य बोलना, वचन निभाना, माता-पिता का सम्मान करना, कमजोरों की रक्षा करना और अपने कर्तव्य को ईमानदारी से निभाना राम के चरित्र से जुड़े प्रमुख आदर्श हैं।

8. राम का नाम आकाश तक गूँजना

“जय श्रीराम” के उद्घोष को आकाश तक पहुँचने वाला बताया गया है। यह एक काव्यात्मक कल्पना है।

इसका अर्थ है कि भक्तों की श्रद्धा इतनी प्रबल है कि राम का नाम हर दिशा में फैल रहा है। धार्मिक उत्सवों में सामूहिक नाम-स्मरण इसी प्रकार एकता और उत्साह का वातावरण बनाता है।

9. सरयू नदी और अयोध्या का उत्सव

गीत में सरयू नदी का अत्यंत सुंदर चित्रण मिलता है। सरयू अयोध्या से गहराई से जुड़ी पवित्र नदी है और राम की कथा में इसका विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है।

गीतकार कल्पना करता है कि सरयू की धाराएँ और उसके दोनों किनारे भी आनंद में झूम रहे हैं।

यह एक काव्यात्मक अतिशयोक्ति है, जिसका उद्देश्य यह दिखाना है कि राम के आगमन का आनंद केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है। पूरी प्रकृति ही उत्सव में शामिल हो गई है।

चाँद, सितारे, दिशाएँ, पर्वत और नदियाँ—सभी को आनंदित दिखाया गया है।

10. भक्तों, साधुओं और देवताओं का नृत्य

गीत में भक्तों और साधुओं के नाचने का चित्रण सामूहिक भक्ति का प्रतीक है। जब मनुष्य भगवान के प्रेम में डूब जाता है, तो उसका आनंद गीत और नृत्य के रूप में बाहर आता है।

भगवान शिव और देवी-देवताओं को भी इस दिव्य उत्सव में आनंदित बताया गया है। यह भारतीय भक्ति परंपरा की वह कल्पना है जिसमें अलग-अलग देव परंपराएँ एक-दूसरे के प्रति सम्मान और श्रद्धा से जुड़ी हुई दिखाई जाती हैं।

11. मंजीरे, मृदंग और केसरिया रंग

अंतिम भाग में मंजीरे और मृदंग जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उल्लेख उत्सव की ध्वनि को जीवंत बनाता है।

केसरिया रंग भारतीय धार्मिक और आध्यात्मिक परंपरा में त्याग, साधना, ऊर्जा और धार्मिक भावना से जुड़ा हुआ माना जाता है। गीत में हवा में उड़ते केसरिया रंग का चित्रण उत्सव के दृश्य को और भव्य बना देता है।

राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान के साथ लौटने की कल्पना रामायण की उस प्रसिद्ध कथा की ओर संकेत करती है जिसमें वनवास पूरा होने के बाद राम अयोध्या लौटते हैं।

इस प्रकार गीत का अंतिम दृश्य भगवान राम की वापसी, परिवार के पुनर्मिलन और अयोध्या के आनंद का प्रतीक बन जाता है।

गीत का मुख्य आध्यात्मिक संदेश

इस पूरे गीत का मूल संदेश है—**भक्ति, धर्म, प्रेम, आशा और आदर्श जीवन।**

राम का नाम यहाँ मन को स्थिर करने वाला नाम है। सीता-राम का स्मरण प्रेम और मर्यादा का प्रतीक है। रामराज्य न्यायपूर्ण और आदर्श व्यवस्था का प्रतीक है। अयोध्या आनंद और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है।

गीत यह भाव पैदा करता है कि जब जीवन में सत्य और धर्म की वापसी होती है, तब मनुष्य के भीतर भी एक प्रकार की अयोध्या जागृत होती है।

English Meaning – Detailed Explanation

“Raghupati Raghav Raja Ram” is a devotional song celebrating Lord Rama, his return to Ayodhya, his ideals, and the spiritual joy of devotees. The song presents Rama not merely as a king, but as a symbol of righteousness, truth, compassion, duty, dignity, and devotion.

1. Invocation of Lord Rama

The song begins by remembering Rama through several revered names. “Raghupati” and “Raghav” connect him with the Raghu dynasty, while “Raja Ram” presents him as the ideal king.

The expression “Patit Pavan” conveys the idea of Rama as one who purifies, uplifts, and gives hope to those who are suffering or spiritually lost.

The repeated remembrance of “Sita Ram” is significant. Rama is remembered together with Sita, representing the ideal relationship between devotion, love, responsibility, sacrifice, and righteousness.

The devotee is encouraged to lovingly repeat the divine name and keep Rama in the heart.

2. Repetition of “Ram Siya Ram”

The repeated chanting of Rama and Sita's names creates a meditative and devotional atmosphere.

In Indian devotional traditions, repetition of a divine name is often understood as a way of focusing the mind and calming inner disturbances.

The phrase also emphasizes that Rama's story cannot be separated from Sita. Together, they represent important ideals of love, commitment, courage, sacrifice, and moral responsibility.

3. Rama's Arrival in Ayodhya

A major theme of the song is the joyful arrival of Rama in Ayodhya.

The city is imagined as celebrating the return of its beloved Lord. The repeated call of “Jai Shri Ram” represents collective devotion and celebration.

For the devotee, Rama is not presented as a distant divine figure. He is addressed with affection, almost like a beloved member of the family.

The return to Ayodhya therefore becomes a symbol of happiness, reunion, hope, and spiritual fulfillment.

4. The Idea of Ram Rajya

The song celebrates the arrival of an era associated with Rama's rule.

“Ram Rajya” has traditionally been used as an ideal of righteous governance—an order associated with justice, duty, truth, compassion, and public welfare.

At a deeper spiritual level, Ram Rajya can also be interpreted as the establishment of good values within an individual's own life.

The victory of Rama can therefore symbolize the victory of truth over falsehood, righteousness over injustice, and hope over despair.

5. Dharma and Spiritual Victory

The song refers to the victory of dharma and the happiness of devotees.

Within the context of Rama's story, dharma is closely connected with fulfilling one's responsibilities even when doing so is difficult.

Rama is traditionally admired for honoring his commitments and placing duty above personal comfort.

Therefore, the song's celebration of Rama can also be understood as a celebration of ethical living.

6. Ayodhya Awakens

Ayodhya is portrayed as a city whose fortune has awakened.

The saints and spiritual seekers are filled with emotion. Their eyes reflect love and devotion toward Rama.

This imagery shows that the celebration is not merely an external festival. It is also an emotional and spiritual experience.

The tears and joy of devotees represent gratitude, love, surrender, and the feeling of being reunited with the divine.

7. Rama's Coronation

The imagery of Rama's coronation represents the restoration of righteousness and rightful order.

The throne is important not simply because it represents political authority, but because Rama is traditionally associated with the responsibilities of an ideal ruler.

The song also suggests that people should follow Rama's path.

That means remembering the values associated with his character: truthfulness, keeping one's word, respecting parents and elders, protecting others, fulfilling responsibilities, and maintaining dignity even during hardship.

Thus, devotion is presented not merely as chanting a name but also as trying to live according to noble values.

8. The Name of Rama Reaching the Sky

The powerful chanting of Rama's name is poetically described as reaching the heavens.

This does not need to be understood literally. It is devotional imagery expressing the enormous intensity of collective faith.

When thousands of devotees chant together, the sound becomes a symbol of unity, celebration, and spiritual energy.

9. The Sarayu River Celebrates

The Sarayu River has a deep cultural and religious association with Ayodhya and the story of Rama.

The song imagines the river and both its banks as dancing with happiness.

This is poetic personification: nature itself appears to participate in Rama's return.

The moon, stars, directions, rivers, and mountains are all imagined as celebrating. The effect is to make Rama's return appear like a cosmic event rather than an ordinary historical moment.

10. Devotees, Saints and Divine Beings

The song describes devotees and saints dancing in celebration.

Dance here represents complete emotional surrender. When devotion becomes intense, happiness naturally expresses itself through music, singing, and dancing.

The imagery of Shiva and other divine beings celebrating reinforces the grandeur of the occasion within the devotional imagination.

It creates a picture of the entire spiritual universe participating in the celebration.

11. Musical Instruments and the Festive Atmosphere

The mention of traditional instruments such as manjiras and mridang brings the celebration to life.

The reference to saffron-colored celebration adds another visual layer. Saffron has long been associated in Indian traditions with spirituality, renunciation, discipline, and religious devotion.

The return of Rama with Sita, Lakshmana, and Hanuman recalls the larger Ramayana narrative and the homecoming of Rama after his period of exile.

The final image is therefore one of reunion, victory, devotion, and celebration.

Overall Meaning of the Song

At its heart, the song is about **devotion, righteousness, hope, love, and the return of positive values.**

Rama represents an ideal of moral conduct. Sita represents devotion, strength, dignity, and steadfastness. Lakshmana represents loyalty and service, while Hanuman represents extraordinary devotion, courage, humility, and dedication.

Ayodhya represents the place where these values return and are celebrated.

The repeated chanting of Rama's name gives the song a meditative quality, while the descriptions of dancing devotees, music, the Sarayu, saints, and divine beings give it a grand festive character.

The deeper message can be understood as follows:

When truth, duty, compassion, faith, and righteousness return to life, the inner world of a person also becomes like Ayodhya celebrating the return of Rama.

In this sense, the song is not only about remembering a divine figure. It is also an invitation to remember the values traditionally associated with Rama and to bring those values into everyday life.

The song combines personal devotion with a larger vision of harmony. Its repeated invocation of Sita and Rama emphasizes love and companionship; its celebration of Ram Rajya evokes justice and responsibility; its images of devotees and saints express collective faith; and its imagery of the entire natural world celebrating expresses the idea that divine joy can transform the whole atmosphere around us.

Ultimately, the emotional center of the song is simple: **remember Rama with love, celebrate his presence, and allow the values associated with him—truth, duty, compassion, courage, dignity, and righteousness—to guide one's life.**

Read the original article at:
https://www.lyricsofgana.com/jai-shree-ram-song-lyrics-in-english-hindi-song-new

SOCIAL MEDIA

Instagram | Facebook | YouTube